पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशितः 16.02.2020 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

परिषद् अध्यक्ष 25 को अहमदाबाद में

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य 50 सदस्यीय दल के साथ ''ऋषि बोधोत्सव'' टंकारा में सम्मिलित होंगे व मंगलवार, 25 फरवरी को सायं 5 बजे आर्य समाज महर्षि दयानन्द मार्ग, रायपुर दरवाजा, अहमदाबाद में स्वागत समारोह होगा —मित्रमहेश आर्य व भरत अग्रवाल।

वर्ष-36 अंक-18 फाल्गुन-2076 दयानन्दाब्द 197 16 फरवरी से 29 फरवरी 2020 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशितः 16.02.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में

196वां महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव सोल्लास सम्पन्न

आर्य समाज को हिन्दु जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता —सांसद मीनाक्षी लेखी

आर्य जन पाखण्ड—अन्धविश्वास के विरूद्व जनजागरण का सकल्प लें —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्या, प्रि.अन्जु महरोत्रा व वेद प्रकाश। द्वितीय चित्र—सम्बोधित करते सांसद मीनाक्षी लेखी व साथ में अनिल आर्य,सुशील बाली व ओम सपरा।

रविवार, 16 फरवरी 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक, सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी,महान समाज सुधारक ''महर्षि दयानन्द सरस्वती का 196 वां जन्मोत्सव'' सांसद निवास,14,महादेव रोड,नई दिल्ली में सौल्लास मनाया गया । समारोह का शुभारम्भ ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ'' द्वारा वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने किया । दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों से सैंकड़ों आर्य समाजियों ने सम्मिलित होकर महर्षि दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये व उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह की मुख्य अतिथि सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि महर्षि दयानन्द अपने समय के महान समाज सुधारक थे,उन्होंने एक नयी वैचारिक क्रान्ति को जन्म देकर लोगों में सोचने व समझने की शक्ति प्रदान की। आज फिर से आर्य समाज को हिन्दु जनजागरण अभियान चलाने की आवश्यकता है,देश की परिस्थितियां कह रही हैं कि बिना संगठित हुए देश व समाज का भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता । उन्होंने स्वदेशी आन्दोलन का सर्वप्रथम उदघोष कर आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, उनसे प्रेरणा पाकर हजारों नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े, आज उनके आदर्शो को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है । उनके समाज उत्थान में योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता चाहे नारी शिक्षा,विधवा विवाह,बाल विवाह,पाखण्ड—अन्धविश्वास के विरूद्व शंखनाद हो हर क्षेत्र में उनकी छाप दिखाई देती है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज समाज में बढ़ता पाखण्ड अन्धविश्वास चिन्ता का विषय है, इससे युवा पीढ़ी दिग्भ्रमित हो रही है, आर्य जन महर्षि दयानन्द के जन्मोत्सव पर समाज में व्यापत पाखण्ड अन्धविश्वास को दूर करने व जनजागरण करने का संकल्प लें । उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द महान प्रकाश पुंज थे,उनके जन्मोत्सव पर युवा पीढ़ी को संस्कारवान व चरित्रवान बनाने व उनमें राष्ट्रीयता की भावना जागृत करने का कार्य आर्य समाज करेगा । श्री आर्य ने कहा कि बढ़ता अलगाववाद—आंतकवाद सभ्य समाज के लिये चुनौती है जिसका मुकाबला सबको मिलकर करना है। युवा विद्वान आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ने कहा कि महर्षि दयानन्द राष्ट्र नायक थे,जब सब ओर अन्धकार छाया था,उन्होंने कुरीतियों,अन्धविश्वासों,रूढ़ियों,मठाधीशों पर सीधा प्रहार किया जिसके लिए साहस की आवश्यकता होती है । स्वामी दयानन्द ने जिस तेजस्विता के साथ समाज की दशा व दिशा बदली वह समय के साथ आज मन्द हो गयी है, आज उसे पुनः जागृत करने की आवश्यकता है।

शिक्षाविद प्रि.अन्जु महरोत्रा ने कहा कि आज के प्रदूषित वातावरण में गुरूकुलीय शिक्षा पद्वति का महत्व बढ़ जाता है,आज हमारी भारतीय संस्कृति,सांस्कृतिक मूल्यों के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहे हैं,हमें उसके प्रति

(शेष पृष्ठ 2 पर)

कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमती सोनिया सन्जु का स्वागत करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,अजय खट्टर व जगदीश मलिक। द्वितीय चित्र—श्री वी.के.आनन्द का स्वागत करते अनिल आर्य,यशपाल आर्य,आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री व ओम सपरा।

दिल्ली चुनावः चौंकाने वाला नहीं है परिणाम

—अवधेश कुमार

दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम ने शायद ही किसी को चौंकाया होगा। हां, इसके विश्लेषण को लेकर अवश्य कई राय हो सकते हैं। आरंभ से ही पूरा चुनाव आम आदमी पार्टी और अरविन्द केजरीवाल की ओर एकपक्षीय लग रहा था। सारे मतदान पूर्व सर्वेक्षणों ने इसका संकेत भी दे दिया था। कुछ विश्लेषकों ने तो यहां तक टिप्पणी कर दी थी कि आप 2015 के अपने पुराने अंकगणित के आसपास पहुंच सकती है। भाजपा को भी इसका अहसास निश्चित रुप से रहा होगा। लेकिन भाजपा नेतृत्व केजरीवाल के पक्ष में सहानुभूति और समर्थन की लहर की काट करने में सफल नहीं हो पा रहा था। अमित शाह को स्वयं कूदना पड़ा। उनके आक्रामक अभियान तथा चुनाव प्रबंधन की कुशलता ने असर डालना आरंभ किया। भाजपा के निरुत्साहित पड़े कार्यकर्ता सक्रिय हुए। इसका असर हम उसके मतों में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि के रुप में देख रहे हैं। कंतु कुल मिलाकर यह कहने में हर्ज नहीं है कि वह केजरीवाल की काट तलाश नहीं कर पाई। तो क्यों हुआ ऐसा?

अपने–अपने नजरिए से इसका उत्तर दिया जा रहा है। इस परिणाम को किसी तरह नागरिकता संशोधन कानून, धारा 370 हटाने, शाहीन बाग धरने के आक्रामक विरोध से जोड़कर देखना गलत विश्लेषण होगा। सारे सर्वेक्षणों का निष्कर्ष यही था कि इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को भारी बहुमत का समर्थन प्राप्त है। जनता कह रही थी कि हम दिल्ली में वोट केजरीवाल को देंगे लेकिन धारा 370 हटाने और नागरिकता कानून पर केन्द्र सरकार का समर्थन करते हैं। लोगों ने ज्यादातर सर्वेक्षणों में प्रधानमंत्री के रुप में नरेन्द्र मोदी को पसंद किया तो बतौर मुख्यमंत्री केजरीवाल को। इस सच को नकारकर आप कोई भी निष्कर्ष दे देंगे तो वह सच नहीं होगा। सच तो यह है कि केजरीवाल पिछले एक वर्ष से चुनाव के मोड में आ गए थे। आप उनके वक्तव्यों, तेवर तथा कार्यप्रणाली में आए परिवर्तनों को साफ–साफ देख सकते थे। छः महीना पहले से तो वे केवल चुनावी केन्द्रित वक्तव्य एवं फैसले कर रहे थे। सच कहें तो महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा, चुनाव के पूर्व महीने में ज्यादातर लोगों के बिजली बिल को माफ कर देना तथा पानी के बिल में भारी माफी ने इस चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह ऐसा लोकप्रियतावादी कदम था जिसकी काट किसी पार्टी के पास नहीं थी। भारत का आम मानस इस तरह के लोकप्रियतावादी कदमों की ओर तात्कालिक रुप से आकर्षित होता है। हालांकि भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र में स्पष्ट किया कि वे सत्ता में आए तो बिजली, पानी के दर में कटौती जारी रहेगा। उन्होंने भी केजरीवाल की तरह कुछ लोकप्रियतावादी घोषणाएं की। मसलन, दो रुपए किलो आटा, छात्रों को साईकिल एवं इलेक्ट्रिक स्कूटर आदि। इसका कुछ असर भी हुआ लेकिन असर इतना नहीं थी कि भाजपा आप की विजय को रोक दे।

भाजपा का प्रदेश नेतृत्व इस मुगालते में था कि केजरीवाल ने 2015 के अपने चुनावी वायदों को पूरा नहीं किया है तथा अब उनकी छवि पुराने आंदोलनकारी भी नहीं है, इसलिए उनको जनता के बीच कठघरे में खड़ा कर पराजित करना कठिन नहीं होगा। वे भूल गए कि केजरीवाल परंपरागत राजनेता नहीं हैं। अपने कार्यकाल के अंतिम समय में उन्होंने घोषणा पत्र के कुछ अंशों को क्रियान्वित करना आरंभ कर दिया और इसका भी असर हुआ। केजरीवाल की रणनीति है कि दिल्ली में जो अच्छा हुआ, विकास हुआ उसका श्रेय लो तथा जो नहीं हुआ उसके लिए यह बताओ कि केन्द्र करने नहीं दे रहा, उप राज्यपाल बाधा बने हुए हैं या फिर भाजपा की बहुमत वाली नगर ईकाइयां काम नहीं कर रहीं हैं। जिस शैली में वे बोलते हैं उनका जवाब उसी शैली में प्रभावी तरीके से देने वाला भाजपा के पास प्रदेश में कोई नेता नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी को काफी लंबा समय मिला लेकिन वे केजरीवाल के समानांतर न अपना कद बना सके और न विपक्ष के नाते उनको कभी दबाव में लाने में कामयाब हो सके। हालांकि वे परिश्रम तो करते रहे, लेकिन उसमें केजरीवाल के तौर–तरीकों का सूक्ष्मता से विश्लेषण कर उसके अनुरुप सुनियोजित रणनीति का अभाव हमेशा बना रहा। केजरीवाल ऐसे नेता हैं जिन्हें केन्द्र द्वारा किए गए कामों का भी श्रेय लेने तथा उसके लिए पोस्टर जारी कर दिल्लीवासियों को बधाई देने में तनिक भी हिचक नहीं। यह भाजपा को परेशान तो करती थी, वे खंडन भी कर रहे थे, पर उस रुप में नहीं जिससे बहुमत मतदाताओं को विश्वास हो जाए कि वे सच बोले रहे हैं एवं केजरीवाल का दावा झूठ है।

कायदे से देखा जाए तो चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा एक आंदोलनकारी और नायक के रुप में उभरे केजरीवाल का वैचारिक एवं व्यवहारिक बदलाव या पतन होना चाहिए। 2011 से 2013 के केजरीवाल के कार्यों एवं वक्तव्यों की उनमें अब झलक तक नहीं मिलती। अपने अधिनायकवादी चरित्र के कारण उन्होंने उन सारे साथियों को अलग होने के लिए विवश कर दिया जो अन्ना अभियान से लेकर पार्टी के निर्माण एवं 2015 के चुनाव में विजय तक उनके साथ थे। भाजपा इसे मुद्दा बनाने में सफल नहीं रही। कहा गया है कि आक्रमण सबसे बड़ा बचाव है। किसी तरह के संघर्ष में विजय का यह सबसे बड़ा सूत्र है। भाजपा इस रणनीति में माहिर मानी जाती है, पर विपक्ष में रहते हुए वह ऐसी स्थिति कायम नही ंकर सकी जिसमें केजरीवाल एवं उनके साथियों को बचाव के लिए विवश होना पड़ता। केजरीवाल ने पूरे चुनाव अभियान के बीच अत्यंत ही सधी हुई राजनीति की तथा उनका संयत रुख लगातार बना रहा। एक समय नरेन्द्र मोदी के लिए निंदा के शब्दों का प्रयोग करने वाले तथा हर बात में सीधे उनको निशाना बनाने वाले केजरीवाल ने अचानक अपना रुख बदल दिया। उन्होंने मोदी पर हमला या उनकी सीधी आलोचना बिल्कुल बंद कर दी। 2019 के लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर पहुंचने के पीछे एक विश्लेषण यह था कि मोदी पर ज्यादा हमला जनता ने पसंद नहीं किया। दूसरे, हिन्दुत्व, सांपद्रयाकिता एवं सेक्यूलरवाद पर भी उन्होंने कुछ बोलने से परहेज किया। मोदी से लेकर इन मुद्दों पर वे जैसे ही आक्रामक होते भाजपा को उनको कठघरे में खड़ा करने का मौका मिल जाता। यहां तक कि जब अयोध्या में मंदिर निर्माण पर प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ट्रस्ट की घोषणा की तो सारी पार्टियों ने उसकी आलोचना की, चुनाव को लेकर समय पर सवाल उठाया लेकिन केजरीवाल ने समर्थन कर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर बनना चाहिए, ट्रस्ट का चुनाव से कोई लेना–देना नहीं है। उनहोंने अपने को हार्ड राष्ट्रवादी बताया। इस तरह भाजपा को कोई अवसर उन्होने नहीं दिया। उल्टे एक चौनल पर उन्होंने हनुमान चालिसा गाया, हनुमान मंदिर जाकर ट्विट किया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने उनकी आलोचना कर दी तो इसका उन्होंने अपनी शैली में पूरा उपयोग किया कि हनुमान चलीसा पढ़ने और हनुमान जाने पर भाजपा मुझे गालियां दे रही है, वह हनुमान जी की आलोचना कर रही है, कह रही है कि मुझे भगवान की पूजा–पाठ का अधिकार नहीं है। इसका जवाब भाजपा के पास हो ही नहीं सकता था।

केजरीवाल को आभास था कि मुसलमानों का एकमुश्त वोट उनकी पार्टी को मिलेगा, क्योंकि कांग्रेस मुख्य लड़ाई में है नहीं। इस विश्वास के कारण उन्होंने शाहीनबाग पर स्वयं चुप्पी धारण कर ली। मनीष सिसोदिया ने एक बार अवश्य कह दिया कि हम शाहीनबाग के साथ है लेकिन बाद में वे भी शांत हो गए। भाजपा ने अपनी रणनीति से शाहीनबाग के बारे में केजरीवाल को कोई बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया। चुनाव में यह मुद्दा था। जिन लोगों को धरना के कारण आने–आने में परेशानी हो रह थी वे सब उसके खिलाफ थे, स्वयं प्रधानमंत्री ने इसे संयोग नहीं प्रयोग तथा एक डिजायन बताकर अपने मूल समर्थकों को सीधा संदेश दिया। इन सबका असर हुआ लेकिन भाजपा इसे दिल्ली में इतना बड़ा मामला नहीं बन सकी जिससे कि मतों का एकत्रीकरण इसके पक्ष में हो सके। एक महत्वपूर्ण भूमिका कांग्रेस के प्रदर्शन ने निभाई। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 22 प्रतिशत से ज्यादा मत काट लिया तो आप तीसरे स्थान पर सिमट गई। शीला दीक्षित के देहांत के बाद लोकसभा चुनाव में लड़ाई में आने का संकेत दे चुकी कांग्रेस फिर हाशिए पर चली गई। 67 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई। वैसे कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व की रणनीति भी थी कि किसी तरह दिल्ली में भाजपा को रोकना है, इसलिए उन्होंने कुछ प्रमुख नेताओं की सीटों को छोड़कर परिश्रम ही नहीं किया। अगर कांग्रेस पर्याप्त मात्रा में वोट काट लेती और संघर्ष त्रिकोणीय होता तो भाजपा को लाभ मिल जाता। ऐसा नहीं हो सका।

—ईः 30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः 110092,
मोबाइलः9811027208

(पृष्ठ 1 का शेष)

सजक रहने की आवश्यकता है। पार्षद विपिन मल्होत्रा,यशपाल आर्य, शान्ता तनेजा ने भी अपने विचार रखे। प्रवीन आर्या,नरेन्द्र आर्य ''सुमन'',अनु गुप्ता,रमेश बेदी,अनिता के मधुर भजन हुए।

आर्य नेता ओम सपरा (प्रधान,उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल), राकेश भटनागर (महामंत्री, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल), वेद प्रकाश (विकासपुरी), रमेश गाडी, राजेश मेहन्दीरता ,सुशील बाली, यशोवीर आर्य, देवेन्द्र भगत, धर्मपाल आर्य, रामकुमार आर्य, प्रेमकुमार सचदेवा, प्रि.श्यामलाल आर्य, मनोज मान, सोनिया संजु, सुन्दर शास्त्री, मनीष पाण्डेय, यज्ञवीर चौहान, अर्चना पुष्करना, जितेन्द्र डावर ,हरिचन्द आर्य, महावीरसिंह आर्य, राधा भारद्वाज, देवदत आर्य, अमरनाथ बत्रा, जगदीश मलिक, ओमप्रकाश पाण्डेय, देवेन्द्र गुप्ता, सुरेन्द्र शास्त्री ,मायाराम शास्त्री, वीरेन्द्र सूद, अजय खट्टर, ओमवीरसिंह, के. एल.राणा, गोपाल जैन, देवमित्र आर्य, डा. विपिन खेड़ा, भारतभूषण धूपड़, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, शिवम मिश्रा आदि उपस्थित थे। ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सभी उत्साह पूर्वक विदा हुए।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन, पीतमपुरा, दिल्ली की सचित्र झलकियां

रविवार, 2 फरवरी 2020, सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी का अभिनन्दन करते परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री। द्वितीय चित्र–केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मु कश्मीर के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर का अभिनन्दन करते आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य।

आर्य महासम्मेलन का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते श्री एम.एस. बिट्टा, साथ में प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), स्वामी आर्यवेश जी, अनिल आर्य व प्रवीन आर्या। द्वितीय चित्र–स्वामी अखिलानन्द जी (गुरूकुल, पूठ, हापुड़), स्वामी चन्द्रवेश जी (गाजियाबाद), स्वामी नुकुलदेव (उड़ीसा) का स्वागत करते स्वामी आर्यवेश जी, अनिल आर्य व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तराखण्ड के प्रान्तीय अध्यक्ष ब्र. विश्वपाल जयन्त (गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार) का अभिनन्दन करते संतोष शास्त्री, रामकुमार आर्य, कुंवरपाल शास्त्री व ओम सपरा। द्वितीय चित्र–केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् झारखण्ड के प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य कृष्णप्रसाद कोटिल्य का अभिनन्दन करते आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर), आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री (दिल्ली), अनिल आर्य, प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व वेदप्रकाश आर्य।

बहिन गायत्री मीना (प्रधाना, स्त्री आर्य समाज,सैक्टर–33, नोएडा) का अभिनन्दन करते शांता तनेजा(द्वारका), प्रवीन आर्या व कविता आर्या। द्वितीय चित्र–बंग्लादेश से पधारे आचार्य सुभाष शास्त्री व साथियों का स्वागत करते वेदप्रकाश आर्य व रामकुमार आर्य।

आर्य महासम्मेलन, पीतमपुरा,दिल्ली के भव्य पण्डाल में उपस्थित श्रद्धालु आर्य जन जो श्रद्धाभाव से पधारे हैं।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में
वीर भरत की जन्म स्थली, मालती नदी के तट पर, सुन्दर पहाड़ियों की तलहटी में

विशाल आर्य युवक निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर एवम् आर्य जनों के लिये ''योग साधना शिविर''

दिनांक 6 जून 2020 (शनिवार) से रविवार, 14 जून 2020 तक

स्थानः गुरूकुल कण्वाश्रम, डाक. कलालघाटी, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

शिविर उद्घाटनः शनिवार, 6 जून, प्रातः 11 से 1.00 बजे तक एवं

समापन समारोहः रविवार, 14 जून, प्रातः 10 बजे से 1.00 बजे तक

पंहुचने का मार्गः दिनांक 5 जून रात्री 9 बजे दिल्ली से कोटद्वार की रेल द्वारा या डी.टीसी.,रोड़वेज द्वारा प्रातःकाल आर्य समाज,कोटद्वार पंहुचे वहां से आटो/ग्रमीण सेवा द्वारा लगभग 10 कि.मी. दूर स्थित गुरूकुल पंहुचे। इच्छुक सम्पर्क करें–महेन्द्र भाई–7703922101, सौरभ गुप्ता–9971467978, अरूण आर्य–9818530543। युवको हेतु प्रवेश शुल्क 250/– रूपये व योग साधकों हेतु प्रवेश शुल्क 500/– रूपये रहेगा।

हरिद्वार, ऋषिकेश, कण्वाश्रम भ्रमण यात्राः– शुकवार, 12 जून रात्री दिल्ली से स्पेशल बसें चलेगी जो कि प्रातः हरिद्वार,ऋषिकेश होते हुए शनिवार, 13 जून को गुरूकुल कण्वाश्रम शाम 5 पंहुचेगी तत्पश्चात गुरूकुल में रात्री विश्राम और रविवार, 14 जून को शिविर समापन के बाद दोपहर 2 बजे दिल्ली के लिये वापिस प्रस्थान करगें ओर रात्री 10 बजे तक दिल्ली पंहुचेगी। प्रति सीट–700/– रहेगी।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन, पीतमपुरा, दिल्ली की सचित्र झलकियां

श्रीमती अनिता व संजीव महाजन का स्वागत करते अनिल आर्य व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–श्री नरेन्द्र आर्य (प्रधान,आर्य समाज, हापुड़) का स्वागत करते अनिल आर्य, आनन्दप्रकाश आर्य (प्रान्तीय अध्यक्ष, के.आ.यु.प.उ.प्र.) व स्वामी आर्यवेश जी।

कर्मठ व्यक्तिव श्री गुलशनलाल निझावन(सोनीपत) का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रेमपाल शास्त्री,स्वामी आर्यवेश जी व डा.जयेन्द्र आचार्य (नोएडा)। द्वितीय चित्र–''माता कृष्णबाला स्मृति'' सम्मान प्राप्त करते श्रीमती इन्दु डुडेजा व श्री एस.पी.डुडेजा,साथ में इन्दु आर्या,इन्दु मेहता,निर्मल जावा व माता दयावती सचदेवा।

राष्ट्रीय आर्य महिला सम्मेलन में दीप प्रज्जवलित करते श्रीमती उर्मिला आर्या(प्रदेश अध्यक्ष,आर्य युवती परिषद्) व बांये से रचना आहुजा,साध्वी उतमायति,आयुषी राणा,डा. सुषमा आर्या,उषा आहुजा व कमल मोंगा। द्वितीय चित्र–सांसद मीनाक्षी लेखी के निवास पर आयोजित महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव में उपस्थित आर्य जन।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कार चोरी

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की कार (प्रचार वाहन) नं. डी.एल.–8 सी.वाई–5395 स्विफट, एन ब्लाक, मुखर्जी नगर, दिल्ली से 21 व 22 जनवरी 2020 की मध्य रात्री चोरी हो गयी थी, एफ.आई.आर 22 जनवरी को ही करवा दी गई थी, अभी तक नहीं मिली है। किसी को दिखाई दे तो सूचित करें –महेन्द्र भाई, महामंत्री

गुरूकुल खेड़ाखुर्द में प्रवेश प्रारम्भ

प्रधान श्री ब्रह्मप्रकाश मान ने सूचित किया है कि श्रीमद्दयानन्द आर्ष गुरूकुल, खेड़ाखुर्द, दिल्ली में कक्षा छठी, सातवीं और आठवीं में प्रवेश प्रारम्भ है, प्रवेश, आवास व भोजन पूर्णतः निःशुल्क है।

सम्पर्क करें– आचार्य सुधांशु–8800442618.

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970